

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 17, भाग 2

2 राजा 1-2, भाग 2

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

अब हम अपने आज के अध्ययन के दूसरे भाग, एलिय्याह और एलीशा, अध्याय दो, पद एक से 11 की ओर मुड़ते हैं। फिर से, इनमें से बहुत से आख्यानो की तरह, यह भी एक दिलचस्प कहानी है जिसमें कई दिलचस्प अकल्पनीय बातें हैं, कुछ ऐसे सवाल हैं जिनके कोई स्पष्ट उत्तर नहीं हैं। तो, हम देखते हैं कि जब प्रभु एलिय्याह को बवंडर में स्वर्ग में ले जाने वाले थे, तब एलिय्याह और एलीशा गिलगाल से अपने रास्ते पर थे।

एलिय्याह ने एलीशा से कहा, "यहाँ ठहरो। यहोवा ने मुझे बेतेल भेजा है।" परन्तु एलीशा ने कहा, "यहोवा के और तुम्हारे जीवन की शपथ, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा।"

तो, वे बेथेल चले गए। अब, उस बातचीत के बारे में बात करने से पहले, आइए एक पल के लिए नक्शे पर नज़र डालें। जिस गिलगाल के बारे में वे बात कर रहे हैं, उसके बारे में कुछ सवाल हैं।

ऐतिहासिक रूप से गिलगाल यहीं स्थित था। यह वह स्थान था जहाँ भूमि प्राप्त करने के दौरान जनजातियों ने डेरा डाला था। अब, मैं विजय नहीं कह रहा हूँ।

हमने इस बारे में पहले भी थोड़ी बात की है। उन्होंने इस देश पर कब्ज़ा नहीं किया। उन्हें यह यहोवा ने दिया था।

साक्ष्य का एक हिस्सा यह है कि वे सैन्य छापे मारने निकलते थे, शहरों के कुछ संघों को तोड़ते थे, और फिर वापस लौट जाते थे।

वे जोशुआ की किताब में बताई गई भूमि पर कब्ज़ा नहीं कर रहे थे। वे इसे प्राप्त कर रहे हैं और वे सत्ता संरचनाओं को तोड़ रहे हैं। हालांकि, गिलगाल जॉर्डन घाटी में है।

बेथेल यहाँ केंद्रीय रिज पर है। आम तौर पर, आप कहेंगे कि वे गिलगाल से बेथेल तक गए थे। लेकिन अगर आपने इसे पाठ में देखा, तो पाठ कहता है कि वे बेथेल तक गए थे।

तो, यह संभव है कि यह जोशुआ का गिलगाल न हो, लेकिन यह केंद्रीय रिज पर कहीं और एक स्थान है। हम निश्चित रूप से नहीं जानते। अगर यह गिलगाल है, जोशुआ का ऐतिहासिक गिलगाल, तो यह दिलचस्प होगा।

और हम इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करेंगे। तो, वे गिलगाल में हैं। और एलिय्याह कहता है कि प्रभु ने मुझे बेतेल जाने के लिए कहा है।

मैं चाहता हूँ कि तुम यहीं रहो। एलिय्याह कहता है, एलीशा कहता है, बिल्कुल नहीं। मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जाऊँगा।

जैसा कि हम देखते हैं कि जब वे बेथेल पहुँचते हैं, तो वहाँ के नबियों का समुदाय एलीशा से पूछता है, क्या तुम जानते हो कि तुम्हारा स्वामी आज मरने वाला है? उसे आज तुमसे दूर ले जाया जाएगा। और एलीशा कहता है, मैं यह जानता हूँ। चुप रहो।

इसलिए, मुझे लगता है कि उनके रिश्ते में ऐसे कई मौके आए होंगे जब एलिय्याह ने एलीशा से कहा होगा, यहीं रुको। मुझे कुछ देर के लिए वहाँ जाना है। और एलीशा ने कहा होगा, ठीक है, लेकिन आज नहीं।

आज नहीं। अब, पहला सवाल यह है कि एलिय्याह ने एलीशा से वहाँ रहने के लिए क्यों कहा? और उसने इसे तीन बार दोहराया। तीन बार, वे बेतेल पहुँचे, और उसने कहा, यहीं रहो।

एलीशा ने कहा, कोई रास्ता नहीं। वे जेरिको पहुँच जाते हैं। एलीशा ने कहा, यहीं रहो।

एलीशा ने कहा, बिलकुल नहीं। क्या हो रहा है? खैर, बाइबल में इसका स्पष्टीकरण नहीं है। इसलिए, हमें अपने सुझावों के बारे में सावधान रहने की ज़रूरत है।

लेकिन मैं यही सोचता हूँ। मुझे लगता है कि यह एक परीक्षा थी। एलीशा कितना प्रतिबद्ध था? वह इस मंत्रालय के प्रति कितना प्रतिबद्ध था जो उसके स्वामी को दिया गया था और अब उसे सौंपा जाने वाला था? क्या वह हार नहीं मानने को तैयार था, पीछे नहीं हटने को? क्या वह समझ गया था, और मुझे लगता है कि वह समझ गया था, कि जो होने वाला था वह उनके दो मंत्रालयों को एक में मिलाने वाला था?

तो फिर, हमारे पास यहाँ भविष्यसूचक अंतर्दृष्टि है। यह आपके और मेरे लिए चुनौती है। जब आगे बढ़ना कठिन हो जाता है, जब सवालों के जवाब नहीं मिलते, तो क्या हम कहेंगे, मैं आगे बढ़ रहा हूँ? मैं डटा हुआ हूँ।

मैं आगे कहता हूँ। अगर ऐसा था, अगर यह एक परीक्षा थी, तो एलीशा ने इसे उड़ते हुए अंकों के साथ पास कर लिया। मैंने कुछ देर पहले भविष्यवक्ताओं के समुदाय का ज़िक्र किया था।

वे फिर से जेरिको में दिखाई देते हैं। इब्रानी में उन्हें भविष्यद्वक्ताओं के पुत्र कहा गया है। लगभग निश्चित रूप से, ये एलिय्याह और एलीशा के परिवार के सदस्य नहीं हैं।

पुत्रों का प्रयोग बहुत व्यापक रूप से किया जाता है, और यह लोगों के एक वर्ग को संदर्भित करता है। इसलिए, लगभग निश्चित रूप से, भविष्यद्वक्ताओं के पुत्र संभवतः युवा भविष्यद्वक्ता हैं, लेकिन वे भविष्यद्वक्ताओं के वर्ग में हैं। अब, दिलचस्प बात यह है कि हम इस समूह को केवल एलिय्याह और एलीशा की सेवकाई के दौरान ही देखते हैं।

जैसा कि आपके अध्ययन गाइड में परिचय में कहा गया है, वे केवल 1 राजा 20 पद 35 में दिखाई देते हैं जब अहाब ने दुर्भाग्य से बेन-हदद की जान बख्श दी थी। फिर से, हम पूछते हैं कि क्यों?

केवल इस कथा में ही क्यों? और फिर से, हमें कहना होगा कि बाइबल इस प्रश्न का उत्तर नहीं देती है। इसलिए, हमें थोड़ा सावधान रहना होगा।

लेकिन मुझे संदेह है कि ईश्वर ने इन दो लोगों को इस अकेले युद्ध में यह सहायता समूह दिया है जहाँ वे इज़राइल की शाही शक्ति के खिलाफ़ हैं। मुझे संदेह है कि भविष्यद्वक्ताओं के ये बेटे, यह भविष्यवक्ता समुदाय, एलिय्याह और एलीशा को उनका समर्थन करने के लिए दिया गया था। आपको याद होगा कि जब एलीशा घातक अवसाद से जूझ रहा था, तो उसे यकीन था कि वह अकेला बचा हुआ है।

और भगवान ने कहा, नहीं, तुम नहीं हो। 7,000 लोग ऐसे हैं जो नहीं बचे हैं। कितनी बार सेवकाई में जब हम बर्नआउट की कहानियाँ सुनते हैं और कहानी की तह तक जाते हैं, तो हम पाते हैं कि व्यक्ति बिना किसी सहायता समूह के है।

वे बिना दोस्तों के हैं। वे युद्ध में अकेले हैं। और जैसा कि आपने सुना है, आग से निकाला गया कोयला बहुत जल्दी जल जाता है।

तो, इसका मतलब यह है कि आपको एक सहायता समूह की ज़रूरत है। आपको किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जिसके साथ आप प्रार्थना कर सकें। आपको किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जिससे आप शिकायत कर सकें।

आपको किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो आपके पीछे हो। और मुझे लगता है कि यहाँ भविष्यद्वक्ताओं के बेटों के साथ यही हो रहा था। इसलिए, एलिय्याह और एलीशा चले गए।

अब ध्यान दें, अगर गिलगाल ऐतिहासिक गिलगाल है, तो दिलचस्प बात यह है कि वे उस जगह से शुरू कर रहे हैं जहाँ गोत्र ईश्वर का उपहार प्राप्त करने के लिए विश्वास की एकता में एकत्र हुए थे। गिलगाल से, वे बेटेल गए। बेटेल, वह जगह जहाँ याकूब ने ईश्वर से मुलाकात की थी और वह जगह जहाँ अब यहोवा की एक स्वर्ण मूर्ति है।

बेटेल से वे यरीहो गए। यरीहो वह स्थान है जहाँ यहोशू ने उन्हें भूमि प्राप्त करने में उनकी पहली जीत में नेतृत्व किया था। यरीहो से जॉर्डन तक, भूमि में प्रवेश करने का पहला चमत्कार हुआ।

और जैसा कि कहानी हमें बताती है, उसने अपने लबादे से पानी पर प्रहार किया, और पानी दो भागों में बँट गया, और वे सूखी ज़मीन पर पार हो गए। हम क्या कर रहे हैं? हम, वास्तव में, भूमि में प्रवेश की कहानी, इस्राएल राष्ट्र की शुरुआत की कहानी दोहरा रहे हैं। और, ज़ाहिर है, उन्होंने नदी पार की।

और फिर वे कहाँ पहुँचे? मोआब के मैदानों में। एलिजा, कई मायनों में, मूसा का पुनर्जन्म है। अब, मेरा मतलब उस अर्थ में नहीं है जिस अर्थ में हिंदू धर्म का अर्थ है।

मेरा मतलब बस इतना है, और शायद इसे कहने का एक बेहतर तरीका यह है कि वह मूसा की पुनरावृत्ति है। और आपको याद है कि ट्रांसफ़िगरेशन पर्वत पर यीशु के साथ कौन से दो लोग

आए थे? मूसा और एलिय्याह। जैसा कि मैंने उल्लेख किया था जब हम एलिय्याह के इज़ेबेल से भागने के बारे में बात कर रहे थे, ऐसे लोग हैं जो महसूस करते हैं कि भगवान ने मूल रूप से एलिय्याह से कहा था, ठीक है, तुम असफल हो गए, अपना उत्तराधिकारी नियुक्त करो, रास्ते से हट जाओ।

खैर, कहानी इस तरह से विकसित नहीं होती। और निश्चित रूप से एलिय्याह की यीशु से मुलाकात का निहितार्थ यह नहीं है। यहाँ हम वही देखते हैं जो परमेश्वर ने राजनीतिक अर्थ में इस राष्ट्र को शुरू करने में किया था।

स्पष्ट रूप से, उन्होंने अब्राहम के साथ राष्ट्र की शुरुआत की। लेकिन राजनीतिक भौगोलिक अर्थ में, यह वह समय था जब राष्ट्र की शुरुआत हुई। और वह मूसा के साथ हुआ।

अब, एलिय्याह और एलीशा की निरंतर सेवकाई के साथ, हम पुनः आरंभ कर रहे हैं। हम फिर से शुरू कर रहे हैं। तो, वह क्षण आता है, और एलिय्याह अब कहता है, यहाँ से चले जाओ नहीं, बल्कि चले जाओ।

मैं अकेले गायब होना चाहता हूँ। नहीं, वह कहता है, मैं तुमसे दूर ले जाए जाने से पहले तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ? और यह एलीशा का चमकने का समय है। वह कहता है कि मैं आत्मा में तुम्हारा उत्तराधिकारी बनना चाहता हूँ।

जैसा कि मैंने परिचय में कहा, जब एलीशा ने दुगुना हिस्सा माँगा, तो वह यह नहीं कह रहा था, जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है, ठीक है, वह एलिय्याह से दुगुना बनना चाहता है। नहीं, बिलकुल नहीं। प्राचीन समय में, जब कोई व्यक्ति मर जाता था, तो उसकी संपत्ति बराबर हिस्सों में बाँट दी जाती थी।

उसकी पत्नी और बाकी सभी बच्चों को एक-एक हिस्सा मिला। लेकिन जेठे बेटे को दो हिस्से मिले, यानी दुगुना हिस्सा। यही तो याकूब एसाव से माँग रहा था, तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार।

वह संपत्ति का दुगुना हिस्सा मांग रहा था। इसलिए, एलीशा कह रहा है, ओह, मुझे इस संबंध में अपना ज्येष्ठ पुत्र बनाओ, अपनी शक्ति के संबंध में। मैं आपकी शक्ति के संबंध में आपका ज्येष्ठ पुत्र बनना चाहता हूँ।

नहीं, उसने ऐसा नहीं कहा। मुझे आपकी आत्मा का दुगुना हिस्सा विरासत में मिले। ओह माय, कितना महत्वपूर्ण अंतर है।

बहुत बार, हम आत्मा की शक्ति चाहते हैं, या हम आत्मा के उपहार चाहते हैं, या हम आत्मा का फल भी चाहते हैं, लेकिन हम आत्मा नहीं चाहते। आपने यह कहा है, आपने मुझे यह कहते सुना है। उद्धार की यह बात एक रिश्ते के बारे में है।

यह किसी पद के बारे में नहीं है। यह खड़े होने के बारे में नहीं है। यह एक रिश्ते के बारे में है।

एक ऐसा रिश्ता जिसमें हम अपने पिता की उद्धारक भुजाओं में लाए जाते हैं। पवित्र आत्मा की शक्ति के माध्यम से पुत्र के कार्य के कारण। इसलिए, एलीशा कहता है, मुझे तुम्हारी आत्मा चाहिए।

मैं उस आत्मा के संबंध में आपका बेटा बनना चाहता हूँ जो इन सभी वर्षों में आप पर रही है। ओह, दोस्तों, यही तो हम चाहते हैं। अगर आत्मा हमें आत्मिक शक्ति नहीं देती, तो क्या? अगर वह हमें यह या वह उपहार नहीं देती, तो क्या? मुझे लगता है कि मैं कह सकता हूँ कि वह हमें अपना फल देगी।

लेकिन यही कुंजी है। यही कुंजी है। और एलीशा कहता है, तुमने एक कठिन बात पूछी है।

क्योंकि आप देख सकते हैं, पवित्र आत्मा कोई वस्तु नहीं है जिसे किसी को दिया जा सके या दूसरों को दिया जा सके। पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है। व्यक्तिगत संबंधों को कभी भी आसानी से प्रबंधित या नियंत्रित नहीं किया जा सकता है।

तो, सवाल यह नहीं है कि क्या मैं तुम्हें अपनी आत्मा दे सकता हूँ? सवाल यह है कि क्या तुम ऐसे व्यक्ति हो जिसके साथ आत्मा एक जीवंत, उद्धारक संबंध में आ सकती है? उसने कहा कि मैं इसके बारे में नहीं जानता। लेकिन मैं तुम्हें यह बता दूँगा। अगर तुम मुझे तब देखोगे जब मैं तुमसे छीन लिया जाऊँगा, तो यह तुम्हारा होगा।

यह इस बात का सबूत होगा कि आपकी दृष्टि, आपका विजन, आध्यात्मिक दृष्टि है जो आत्मा देती है। क्या हम दुनिया को वैसे देख सकते हैं जैसे भगवान देखते हैं? क्या हम लोगों को वैसे देख सकते हैं जैसे भगवान उन्हें देखते हैं? क्या हम मुद्दों को वैसे देख सकते हैं जैसे भगवान उन्हें देखते हैं? ओह, ओह, यही हमें चाहिए। यही आपको और मुझे चाहिए।

ईश्वर की आँखों से देखना क्योंकि हम उनकी आत्मा की पकड़ में हैं। इन दिनों, लोग आश्चर्य करते हैं, अच्छा, क्या वे चर्च में वापस आएंगे? हम तनाव, बंद चर्चों और तेजी से कम हो रही बैठक क्षेत्रों और बैठक के समय के एक साल से गुजर रहे हैं। क्या वे वापस आएंगे? और मेरे मन में सवाल यह है कि क्या हम वर्तमान संकट का उपयोग खुद को ईश्वर की बाहों में ले जाने के लिए करेंगे? क्या हम वर्तमान संकट का उपयोग यह कहने के लिए करेंगे कि ओह, मुझे आपकी आत्मा की आवश्यकता है, और मैं व्यक्तिगत रूप से कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार हूँ?

यही चुनौती है, दोस्तों। मुझे लगता है कि नाममात्र के ईसाई किनारे हो जाएंगे। और जो बचेंगे वे वे होंगे जो कीमत चुकाने को तैयार हैं।

कौन कहता है कि मैं यीशु की आत्मा से भरना चाहता हूँ? मैं सिर्फ परिधि पर नहीं रहना चाहता। मैं सिर्फ किनारे पर नहीं रहना चाहता।

मैं उनके जीवन के केंद्र में रहना चाहता हूँ। तो, वास्तव में, बिल्कुल यही हुआ। मेरे पिता, मेरे पिता, मैंने इस्राएल के रथ और घुड़सवार देखे हैं।

वह एलिय्याह नहीं है। लेकिन उसने जो देखा वह यह था कि ब्रह्मांड में असली ताकत इस्राएल या सीरिया की सेना नहीं थी। ब्रह्मांड में ताकत ईश्वर की सेना है जिसने खुद को इस त्रुटिपूर्ण व्यक्ति, एलिय्याह के माध्यम से प्रकट किया है।

और इसलिए, लबादा पीछे छूट गया। वह लबादा, वह लबादा जो सालों पहले एलीशा के कंधों पर डाला गया था, वह लबादा। एलीशा ने अपने स्वामी को खोने के गम में अपना लबादा फाड़ दिया है।

और अब एक नया लबादा है जिसे उठाना है। फिर से, यहाँ छवियों का कितना अद्भुत सेट है। अब, एलिय्याह क्यों नहीं मरा? उसका अनुवाद क्यों किया गया? फिर से, मैं उन सवालों का जवाब दे रहा हूँ जिनका बाइबल में स्पष्ट रूप से उत्तर नहीं दिया गया है।

इसलिए, आपको इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। लेकिन मुझे लगता है कि यह कहना सही होगा कि इस मंत्रालय का कोई अंत नहीं है। एलिय्याह और एलीशा का मंत्रालय एक ही मंत्रालय है।

और एलीशा को बाहर निकाल दिया जाता है, और वह अपना लबादा पीछे छोड़ देता है। और एलिय्याह को बाहर निकाल दिया जाता है, और वह अपना लबादा पीछे छोड़ देता है। और एलीशा उस लबादे को उठा लेता है।

और वह बहुत ही रोचक ढंग से कहता है, एलिय्याह का परमेश्वर यहोवा कहाँ है? और पानी का भाग। और भविष्यद्वक्ताओं के पुत्रों ने इसे देखा और कहा, हे भगवान, एलिय्याह की आत्मा एलीशा पर है। तुम किस आत्मा की तलाश कर रहे हो? शक्ति की तलाश मत करो।

आशीर्वाद की तलाश मत करो। फल की भी तलाश मत करो। उसकी तलाश करो।

उसे अपना लक्ष्य, अपनी इच्छा बनाओ, और उसे वह सब करने दो जो वह तुम्हारे लिए करना चाहता है।

और जो पास खड़े हैं वे कहें, आह, आह, परमेश्वर का आत्मा उस पर है। परमेश्वर का आत्मा उस पर है। हमारे विषय में भी यही कहा जाए।